

खबर संक्षेप



खग सोलर सम्मान से नवाजी गई कंपनी

भिलाई। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए होप एनर्जी को प्रतिष्ठित टॉप परफॉर्मर-छत्तीसगढ़ सोलर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कंपनी के बेहतर प्रदर्शन, टीम की मेहनत और ग्राहकों के भरोसे को मिली महत्वपूर्ण पहचान के रूप में देखा जा रहा है। होप एनर्जी के डायरेक्टर सुशांत चौबे, सुयश तिवारी ने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। ग्राहकों के विश्वास और सहयोगियों के निरंतर समर्थन ने कंपनी को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। होप एनर्जी की ओर से कहा गया कि सौर ऊर्जा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल है। यह सम्मान टीम के लिए केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा के विस्तार की जिम्मेदारी को और मजबूत करने वाला अवसर है।

6 सितंबर को जिला स्तरीय तीज मिलन
दुर्ग। छत्तीसगढ़ निषाद (कैवट) समाज दुर्ग जिला संगठन द्वारा 6 तहसीलों के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण एवं जिला स्तरीय तीज मिलन समारोह का आयोजन 6 सितंबर को स्वामी विवेकानंद हॉल सभागार, जेल चौक, दुर्ग में किया जाएगा। साथ ही विभिन्न पारंपरिक खेलों का आयोजन होगा।

मरोदा के तीन वार्डों में डेढ़ करोड़ से होंगे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

रिसाली के पटरी पार क्षेत्र वार्ड 13 टंकी मरोदा, वार्ड 14 मरोदा कैप और वार्ड 15 मोहारी मरोदा क्षेत्र में एक करोड़ अंदावन लाख तिरसठ हजार

■ विधायक ललित ने 53 लाख से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

से विकास कार्य कराया जाएगा। मंगलवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने भूमिपूजन किया। वें सबसे पहले मोहारी मरोदा पहुंचे। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नागरिकों से कहा कि निगम क्षेत्र के पटरी पार क्षेत्र मरोदा, नेवई में लगातार विकास कार्यों को सूचीबद्ध कर भूमिपूजन किया जा रहा है। एक माह से इसकी शुरुआत की गई है और अंतिम छोर पुरेना से भूमिपूजन करते आ रहे हैं। क्षेत्रीय पार्षद के प्रयास और नागरिकों के प्राथमिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि बहुत सारे विकास कार्यों की मंजूरी प्रक्रियाधीन है। स्वीकृति पश्चात वें पुनः वार्डों में दौरा करेंगे। कार्यक्रम को महापौर शशि सिन्हा ने भी संबोधित किया। उन्होंने निगम क्षेत्र में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के लिए नागरिकों को बधाई दी। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू,

कलेक्टर का आदेश तत्काल प्रभाव से लागू, बिना अनुमति भीड़ पर कार्रवाई

अब प्रमुख मार्गों पर धरना-प्रदर्शन पर रोक, तितुरडीह में तय हुआ नया स्थल

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

ला मुख्यालय के प्रमुख और व्यस्त मार्ग अब धरना, प्रदर्शन, रैली और जुलूस के लिए इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे। कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी अभिजीत सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत इन मार्गों और उनके किनारे राजनीतिक, सामाजिक, व्यवसायिक एवं कर्मचारी संगठनों द्वारा किसी भी तरह का धरना, प्रदर्शन, सभा, रैली या जुलूस आयोजित करने पर रोक लगा दी है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

प्रशासन ने धरना-प्रदर्शन के लिए तितुरडीह में नगर निगम के जल शोधन संयंत्र के सामने स्थित रिक्त परिसर को निर्धारित किया है। यानी अब जिला मुख्यालय में आंदोलन करने वाले संगठनों को चिन्हित स्थल पर ही प्रदर्शन करना होगा। प्रशासन ने राजनांदगांव-पुलगांव-दुर्ग मुख्य मार्ग पर गंजपारा चौक से मालवीय नगर चौक तक, जेआरडी स्कूल से दुर्ग सेंट्रल जेल के मुख्य गेट तक, कब्रिस्तान से केंद्रीय विद्यालय, आरटीओ कार्यालय, खालसा स्कूल होते हुए मालवीय नगर चौक तक तथा सुरना कॉलेज से मानस भवन मार्ग होते हुए चर्च चौक तक धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाई है। इन स्थानों पर टेबल, कुर्सी, फर्नीचर, टेंट, शामियाना, माइक, साउंड सिस्टम लगाने और भीड़ एकत्र करने पर भी प्रतिबंध रहेगा। पुलिस और प्रशासन को छोड़कर लाउडस्पीकर या सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली तथा तेज आवाज वाले अन्य उपकरणों का उपयोग भी नहीं किया जा सकेगा।

टेंट, साउंड सिस्टम और बैनर तक जब्त किए जाएंगे

नियम तोड़ा तो सामान होगा जब्त

प्रतिबंधित क्षेत्र में बिना अनुमति धरना, प्रदर्शन या भीड़ जुटाने पर प्रशासन कसब कार्रवाई करेगा। मौके पर लगाए गए टेंट, शामियाना, फर्नीचर, साउंड सिस्टम, लाउडस्पीकर, बैनर और अन्य सामग्री जब्त की जाएगी। संबंधित व्यक्ति और संस्था के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223, 125, 126, 285 सहित अन्य लागू कानूनी धाराओं के तहत अभियोजन की कार्रवाई की जाएगी। विशेष परिस्थितियों में आयोजन की अनुमति देने के लिए एसडीएम दुर्ग शहर को अधिकृत किया गया है। इसके लिए आयोजन की तारीख से कम से कम एक सप्ताह पहले पूरी जानकारी के साथ आवेदन देना होगा। अनुमति मिलने पर प्रशासन की शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। शर्तों का उल्लंघन होने पर अनुमति स्वतः निरस्त मानी जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि दी गई अनुमति किसी भी समय बिना कारण बताए निरस्त की जा सकती है।



अस्पताल, स्कूल और सरकारी कार्यालयों की परेशानी बनी वजह

प्रशासन के अनुसार जिला मुख्यालय के इन मार्गों पर जिला पंचायत, जीएसटी, वन विभाग, परिवहन विभाग, विद्युत विभाग, श्रम विभाग, सेंट्रल जेल, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, पंजीयन कार्यालय, नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय, जिला न्यायालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। इन्हें मार्गों पर जिला अस्पताल भी है। लगातार होने वाले धरना-प्रदर्शन और रैलियों से अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को परेशानी के साथ एंबुलेंस के आवागमन में भी बाधा आने की शिकायतें सामने आई थीं। शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को पढ़ाई और सुरक्षा भी प्रभावित होने की बात प्रशासन ने कही है। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह में महत्वपूर्ण लोगों की बैठकें होती हैं। धरना-प्रदर्शन के कारण यातायात और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की शिकायत भी सामने आई थी। नगर निगम के बस स्टैंड का आवागमन भी इससे प्रभावित होता था।

सरकारी कर्मचारियों के एपीएआर में फिर देरी, अब नवंबर तक बढ़ी समय-सीमा

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

शासकीय कर्मचारियों के वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन यानी एपीएआर की प्रक्रिया तय समय पर पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2025-26 के एपीएआर की समय-सीमा बढ़ा दी है। नई व्यवस्था के तहत अब

■ एपीएआर प्रक्रिया की संशोधित समय-सारिणी जारी

कर्मचारियों से लेकर मूल्यांकन और समीक्षा करने वाले

अधिकारियों तक को पहले से अधिक समय दिया गया है। विभाग ने आदेश जारी कर एपीएआर प्रक्रिया की संशोधित समय-सारिणी जारी की है। यह आदेश अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को छोड़कर राज्य के शासकीय सेवकों के लिए है। पहले कर्मचारियों के लिए स्वयं-मूल्यांकन की अंतिम तारीख 15 मई निर्धारित थी। अब इसे बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया गया है। यानी स्व-मूल्यांकन के लिए करीब साढ़े तीन महीने अतिरिक्त दिए गए हैं। इसके बाद प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा मूल्यांकन की अंतिम तारीख 15 जून से बढ़ाकर 30 सितंबर, समीक्षक अधिकारी की तारीख 15 जुलाई से बढ़ाकर 30 अक्टूबर और स्वीकार करने वाले अधिकारी की अंतिम तारीख 16 अगस्त से बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी गई है। एपीएआर की पूरी प्रक्रिया अब नवंबर के अंत तक चलेगी। इससे साफ है कि वर्ष 2025-26 के वार्षिक मूल्यांकन की प्रक्रिया निर्धारित कैलेंडर के अनुसार समय पर पूरी नहीं हो पाई है। विभाग ने माना है कि कुछ शासकीय सेवकों का स्पैर पोर्टल पर यूजर चैनल निर्धारित नहीं हुआ है अथवा उनकी ऑनलाइन ऑनबोर्डिंग अब तक नहीं हो सकी है। ऐसे कर्मचारियों के एपीएआर को निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन या ऑफलाइन मैनुअल माध्यम से पूरा करने की व्यवस्था दी गई है।

कलेक्टर ने दिए लंबित कार्यों को पूरा करने निर्देश



हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समीक्षा करते हुए पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं पीजीएन पोर्टल पर लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने ई-एचआरएमएस के क्रिया-व्यन की भी जानकारी ली। जिन विभागों में ई-एचआरएमएस की प्रक्रिया अभी पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें एनआईसी से संपर्क कर प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बाने नगी शहर के भी शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होने वाले लगातार धरना-प्रदर्शनों को देखते हुए तृता मैदान को प्रदर्शन स्थल के रूप में निर्धारित किया गया था। इसी तर्ज पर दुर्ग में भी अलग-अलग स्थान निर्धारित किया गया है। इस संबंध में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के साथ बैठक कर उनके सुझाव भी लिए गए थे।

समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28 आंगनवाड़ी केंद्र जर्जर स्थिति में हैं। कलेक्टर ने जर्जर आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों को नरगा एवं विकसित भारत जी-राम जी योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान तत्काल व्यवस्था सुधार की दिशा में काम करने की हिदायत दी गई। बैठक में आयुष्मान कार्ड और वय वंदन कार्ड के निर्माण में तेजी लाने और शतप्रतिशत कार्ड बनाए जाने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर हरवश मिरी, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, एसडीएम लवकेश धुव, एसडीएम महेश राजपूत, एसडीएम उमम धुव, एसडीएम प्रमल्ल गुप्ता, डीटी कलेक्टर सोनल डेविड आदि उपस्थित थे।

सरकारी विभागों को बिजली बिल का भुगतान करने के निर्देश
कलेक्टर ने सभी विभागों के लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ट्रेजरी अधिकारी को विभागवार बिजली बिल मद्द में उपलब्ध बजट की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि लंबित देवकों के भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली बिल मद्द में उपलब्ध बजट से लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। बैठक में सहकारी समितियों के लिए भू-आबंटन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र भू-आबंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग बिजली बिल बकाया की जानकारी तुरंत अपडेट करें। बिल का भुगतान करें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी आगामी दिनों में न हो। उन्होंने इसे लेकर निगमित रूप से समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

यादव कल्याण परिषद सेक्टर 7 ने लगाए भवन पर कब्जा का आरोप



हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

यादव कल्याण परिषद भवन सेक्टर-7 समिति में पद और पदाधिकारियों को लेकर खींचतान चल रही है। दो अलग-अलग अध्यक्ष व कार्यकारिणी समिति के भवन पर अपना एकाधिकार जमा रही है। समिति की ओर से रामा यादव व अन्य ने दूसरे गुट पर कब्जे का आरोप लगाया है। रामा यादव ने बताया कि हरेंद्र राय, रामराज यादव गम्बर, भूपेन्द्र यादव और अन्य द्वारा यादव कल्याण परिषद भवन, सेक्टर-7 भिलाई नगर पर अवैधानिक रूप से कब्जा किया गया है। रामा यादव ने शासन से अनुरोध किया है कि यादव कल्याण परिषद भवन, सेक्टर-7 को कब्जाधारियों से मुक्त कराया जाए। उन्होंने बताया कि दिसम्बर 2024 में हरेंद्र राय, रामराज यादव, भूपेन्द्र यादव एवं अन्य सहयोगियों द्वारा अनाधिकृत रूप से संस्था का पैरैलल चुनाव दिखाने उप पंजीयक फर्म्स एवं संस्थाएं दुर्ग को अभिलेख जमा किया गया था, जिसे अमान्य करते हुए उप पंजीयक दुर्ग ने

■ प्रेसवार्ता में एक गुट ने दूसरे पर लगाया आरोप

भोलानाथ सिंह यादव की अध्यक्षता वाली समिति को वैध मान्य किया। उप पंजीयक दुर्ग के आदेश के विरुद्ध हरेंद्र राय, रामराज यादव (गम्बर), भूपेन्द्र यादव एवं अन्य द्वारा पंजीयक, छत्तीसगढ़ फर्म्स एवं संस्थाएं रायपुर को अपील किया गया जिसको परीक्षणोपरांत पंजीयक रायपुर ने 8 अप्रैल 2026 को खारिज करते हुए भोलानाथ सिंह यादव की अध्यक्षता वाली समिति को वैध ठहराया। रामा यादव ने बताया कि हरेंद्र राय, रामराज यादव (गम्बर), भूपेन्द्र यादव और अन्य सहयोगी भवन पर अवैधानिक कब्जा कर विधि विपरीत गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। वहीं भोलानाथ सिंह यादव की अध्यक्षता वाली समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य शिक्षित, सज्जन एवं विवादों से दूर रहने वाले शांति प्रिय लोग हैं। बैठकों के पूर्व एवं बैठक के दौरान हरेंद्र राय, रामराज यादव (गम्बर), भूपेन्द्र यादव एवं अन्य सहयोगी भय का वातावरण निर्मित करते हैं। रामा यादव ने बताया कि इस मामले में दुर्ग एसएसपी को भी शिकायत की गई है। वे लोग रजिस्टार का आदेश भी नहीं मान रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रा 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक प्रयाग, काशी विश्वनाथ, हनुमान मंदिर की यात्रा हेतु दुर्ग जिले के 445 वरिष्ठ नागरिकों 60 वर्ष या 60 वर्ष के ऊपर को उक्त यात्रा पर भेजा जाएगा। उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार तीर्थ दर्शन के लिए 333 ग्रामीण क्षेत्र व 112 शहरी क्षेत्र के यात्री को सम्मिलित करते हुए कुल 445 का

कोटा निर्धारित की गई है। जिसमें 80 प्रतिशत हितग्राही बीपीएल अंत्योदय एवं मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना के कार्यधारी एवं 20 प्रतिशत हितग्राही गरीबी रेखा के ऊपर एपीएल के नागरिक होंगे, जो आयकर दाता न हो। इस हेतु आवेदक, संबंधित जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों से आवेदन प्राप्त कर 10 सितंबर तक स्वास्थ्य परीक्षण उपरान्त निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरान्त आवेदन प्रस्तुत करने पर स्वीकार्य नहीं किया जाएगा।

खेल दिवस का आयोजन 29 अगस्त को

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को खेल दिवस का आयोजन किया जाएगा। 29 अगस्त को प्रातः 7.30 बजे सुराना कॉलेज मैदान दुर्ग से खिलाड़ियों की

प्रदर्शन वीडू आयोजन के पश्चात स्व. मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। जिलों की टीमों के मध्य हॉकी मैच आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों को स्वल्पाहार, अतिथियों का सम्मान एवं विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया जाएगा।

देशप्रेम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनायकों के सम्मान की दिशा में एक पहल

क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का अनावरण में मंत्री व सांसद हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ की जिला इकाई दुर्ग द्वारा देशप्रेम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनायकों के सम्मान की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए

■ शासकीय कन्या विद्यालय परिसर में स्थापित की गई

महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दुर्ग के परिसर में स्थापित की गई। महान क्रांतिकारी शिवराम राजगुरु की जयंती के अवसर पर सोमवार को आयोजित समारोह में प्रतिमा का अनावरण छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने किया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद



विजय बघेल, अहिंसा विधायक एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोसेवाड़ा, दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार, अरुण बोरा पूर्व विधायक दुर्ग, भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं

राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव, शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष इरना वर्मा, वार्ड पार्षद सरिता चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिमा के अनावरण के साथ ही उपस्थित लोगों ने महान क्रांतिकारी को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

विजय बघेल ने कहा कि सुखदेव राज आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन के सिलसिले में दुर्ग आए और इसके बाद दुर्ग के ही होकर रह गए। उन्होंने यहां कुछ रोगियों की सेवा का अनुकरणीय कार्य किया। अलका बाघमार ने नगर निगम क्षेत्र में क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा

जीवनगाथा को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव को ज्ञापन सौंपकर क्रांतिकारी सुखदेव राज की जीवनगाथा एवं उनके राष्ट्र तथा समाजसेवा संबंधी कार्यों को राज्य के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि सुखदेव राज का जीवन त्याग, संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है तथा नई पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से परिचित कराना आवश्यक है। गजेन्द्र यादव ने भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ जिला दुर्ग द्वारा किए गए इस महत्वपूर्ण कार्य की सराहना की। उन्होंने क्रांतिकारी सुखदेव राज के जीवन को प्रेरणादायी बताते हुए समाज सेवा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की

निर्वहन कर रहे हैं। वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद के साथी महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए किया गया यह कार्य अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स महासंघ केवल पेंशनरों के अधिकारों और समस्याओं के लिए संघर्ष करने वाला संगठन ही नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। सुखदेव राज की प्रतिमा स्थापना इसी भावना का प्रमाण है। इस अवसर पर बीके वर्मा द्वारा क्रांतिकारी सुखदेव राज के जीवन पर लिखित पुस्तक एक गुमनाम स्वामी क्रांतिकार सुखदेव राज का विमोचन किया। समारोह में प्रवीण कुमार त्रिवेदी, टीपी सिंह, बीएस दसमेर, अनिल पाठक, बीएल गजपाल, आजीजी बोहरे, ओडी शर्मा, आरके दीक्षित, ए शांता, अनुराधा चंद्राकर सहित अन्य मौजूद थे।

उन्हीं। शासकीय प्राथमिक शाला खोपली के लगभग 156 बच्चों को सरसवती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरटिबल ट्रस्ट द्वारा संस्थापक सुरेश फरमानिया के द्वारा 156 बच्चों को कॉपी, पेन, स्कूल बैग, पहाड़ा का वितरण किया गया। बच्चों को कॉपी, पेन, बैग पाकर बच्चों का चेहरा खिल गया। साथ ही फरमानिया के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक शाला के लगभग 300 बच्चों को बिस्किट पैकेट का वितरण किया गया और मिडिल स्कूल के बच्चों को बैग का वितरण किया गया। सुरेश फरमानिया के उद्भूत कार्यो को देखते हुए शासकीय प्राथमिक शाला खोपली के शिक्षकों ने फरमानिया का उपहार देकर सम्मान किया। इस अवसर पर बच्चो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। नवीन सिध्दिक बच्च छत्तीसगढ़ के प्रदेश सांख्य गिरीश साहू ने बताया कि सरसवती देवी बनारसी दास फरमानिया ट्रस्ट विगत 10वर्षों से सरकारी स्कूलों में बच्चो को स्वेटर, कॉपी, पुस्तकें, कंपास, बेंच डेक्स आदि का वितरण छात्रहित में निस्वार्थ भाव से कर रहा है।

कुम्हार। विचक्षण जैन विद्यापीठ,
कुम्हारी विद्यालय परिसर में ग्रैंड
पेरेंट्स डे का भावपूर्ण, गरिमामय
एवं आत्मीय आयोजन किया गया।
सर्वे शिक्षण अवसर पर विद्यार्थियों
के दादा-दादी एवं नाना-नानी ने
उत्साहापूर्ण सहभागिता की और
अपने पोते-पोतियों के साथ
आनन्दपूर्ण समय बिताकर कार्यक्रम
की गरिमा एवं उल्लास को बढ़ाया।
कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित
वरिष्ठजनों के आत्मीय स्वागत एवं
तिलक समारोह से हुआ। विद्यालय
परिवार की ओर से सभी अतिथियों
का सम्मानपूर्वक अभिनन्दन किया
गया। विद्यालय के प्राचार्य ए. पी.
सिंह ने अपने संबोधन में वरिष्ठजनों
के महत्व पर प्रकाश डालते हुए
कहा कि दादा-दादी एवं नाना-नानी
परिवार की मजबूत जड़ों के समान
होते हैं। यू.के.जी. के विद्यार्थियों ने
मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

अंदा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय काँडिया में वृक्षारोपण का आयोजन बृहद रूप से किया गया जिसमें शाला के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर एक ढुंगे में के नाम लगाया। प्राचार्य नीलमणि उजवने के निर्देशन में यह अभियान जारी है। यहाँ औषधियुक्त पौधों का रोपण किया गया। स्काउट गाइड प्रभारी प्रीति सलाम ने पेड़ों की रक्षा का संकल्प दिलाया। भारतीय मानक ब्यूरो क्लब प्रभारी हर्षा भेलवार के साथ शिक्षकगण भवानी सिंह देशमुख, शशीला चन्दा, डॉ रूपमती साहू, प्रीतम देवांगन, सीएम बिसेन, वैदिका साहू, रीना पिलोडिया, समसरी भेलवा आदि उपस्थित थे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नेकू राम साहू पिता चिंता राम साहू निवासी हिंद नगर, रिसाली, भिलाई नगर, छिछा दुर्ग, पिन-490006 (छ.ग.) यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम नेकू साहू पिता चिंता राम साहू रख लिया हूँ।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम नेकू साहू पिता चिंता राम साहू से ही जाना पहचाना जावे।

नेकू साहू
हिंद नगर, रिसाली
भिलाई नगर, जिला दुर्ग
पिन- 490006 (छ.ग.)

धम्या ब्लाक के ग्राम पंचायत पैदावन में
छात्रों द्वारा किए गए आंदोलन और
चक्काजों के बाद देर रात प्रशासन में
विद्यार्थियों की तीनों प्रमुख मांगों पर सहमत
जताते हुए समाधान कर दिया। रात करीब 12
बजे तक चली प्रक्रिया के बाद छात्रों की सभी
मांगों पर मुहर लगा दी गई। तमाम अधिकारियों
मौजूद रहे।
छात्रों की सबसे प्रमुख मांग शिक्षकों की
व्यवस्था को दुरुस्त करने की थी। इस मांग
को लेकर प्रशासन ने स्कूल में 5 शिक्षकों की
नियुक्ति कर का निर्णय लिया है। छात्रों का
कहना था कि पर्याप्त शिक्षक नहीं होने के
कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

वहाँ छात्रों को दूसरी प्रमुख मांग प्राचार्य को हटाने की थी। प्राचार्य की कार्यप्रणाली और आचरण को लेकर विद्यार्थियों द्वारा लगातार नाराजगी जताई जा रही थी। प्रशासनिक प्रणाली ने प्राचार्य को उनके आचरण के चलते पद से हटा दिया है। छात्रों की तीसरी प्रमुख मांगों में प्रवेश स्कूल व्यवस्था को बंद करने की थी। आपोपन स्कूल व्यवस्था ने इस मांग को भी स्वीकार करने में तैयार नहीं हुआ। आपोपन स्कूल व्यवस्था को बंद कर दिया है। इससे पहले मंगलवार को अपनी मांगों को



37 सीजी बटालियन एनसीसी दुर्ग के निर्देशानुसार शासकीय साईंस कॉलेज एवं शासकीय आईटीआई, भिलाई के एनसीसी कैडेट्स द्वारा ग्राम विनायकपुर एवं ग्राम आमटी में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभियान की शुरुआत ■ लोगों से जागरूकता रैली के माध्यम से भारत और की गई। पसीसी कैडेट्स ने अपी

हाथों में जागरूकता संदेशों से युक्त पोस्टर एवं तख्तियाँ लेकर ग्रामीणों को टीबी के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान बस स्टैंड, स्कूल, पंचायत भवन तथा ग्राम के विभिन्न वाडों में पहुँचकर लोगों को टीबी के लक्षण, संक्रमण से बचाव, समय पर जाँच एवं नियमित उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। इसके सप्ताह की कैडेड्स द्वारा डोर-टू-डोर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। घर-घर पहुँचकर ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें बताया गया कि लंबे समय तक खाँसी, बुखार, बतिया या अनाज आना, वजन कम होना, भूख में कमी एवं

लेकर बड़ी संख्या में छात्र खैरागढ़-धमधा मुख्य मार्ग पर बैठ गए थे और चक्काजाम कर दिया था। प्रदर्शन के चलते मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। छात्रों ने स्पष्ट कर दिया था कि जब तक उनकी मांगों पर जोस निया नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को भी छात्रों ने इसी मार्ग पर चक्काजाम किया था। उस समय

एसडीओपी, एसडीएम और तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। अधिकारियों ने छात्रों को उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसके बाद जिला शिक्षा विभाग की ओर से दो शिक्षकों को अटैच करने की कार्रवाई भी की गई थी। लेकिन छात्रों का कहना था कि इससे उनकी समस्या का पूर्ण समाधान नहीं हुआ। मंगलवार को दोबारा आंदोलन के बाद देर

रात प्रशासन ने छात्रों की तीनों प्रमुख मांगों पर नियंत्रण लेते हुए 5 शिक्षकों की नियुक्ति प्राचार्य को हटाने और ओपन स्कूल व्यवस्था बंद करने की कार्रवाई की। प्रशासन के फैसले के बाद पेंड्रावन में छात्रों का आंदोलन समाप्त हुआ। लंबे समय से चली आ रही शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान के बाद अब विद्यार्थियों को स्कूल में नियमित और बेहतर पढ़ाई की उम्मीद है।

धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र ग्राम कौही (रानीतराई) स्थित स्वयंभू मानव शिव मंदिर में सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। बरसेर पानी के बीच हजारों शिवभक्तों ने करीब आधा किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर पावन शिवधारू नदी से जल लाकर स्वयंभू शिवलिंग का पूजापाठ भिषेक एवं रुद्राभिषेक किया। इस दौरान हर-हर महादेव, बोलमय-

■ कौही को उ

बोलबम, ऊं नमः शिवाय और श्री शिवा
 नमस्तुभ्यम् के जयकारों से पूरा क्षेत्र
 प्रभावित हो गया। खारून नदी के पानव त
 पर बसे कौही के स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन
 के लिए पूरे सावन माह ब्रह्मदुलों का तां
 सलाहा रहा। वहीं 24 अगस्त को सावन न
 अंतिम सोमवार पर मंदिर परिसर में हजार
 कांवरियों और शिवभक्तों की भीड़ जुट
 श्री महाकाली, हनुमान मंदिर परिस
 विविध, अंतरराष्ट्रीय सद्मित्राश्रम साध
 परिवार एवं बोलबम सेवा समिति सेमरा
 सुपुलरा, सिलतारा, सिलघट, कौही अ
 बोरेनडे के संयुक्त तत्वावधान में विशा
 ब्राह्मणधेक एवं महाप्रसाद योग-भंडारे व
 आयोजन किया गया।

आयोजन का शुरुआत यज्ञकता पांडे संजीव तिवारी गुजरा द्वारा शिव महापुराण पाठ एवं विशेष पूजा-अर्चना से हुई। इस

सावन के अंतिम सोमवार
श्रद्धा का सैलाब

पुष्प, श्रीफल एवं चंदन अर्पित किया। आयोजक समिति की व्यवस्था में महिला-पुरुषों और स्कूली बच्चों में हाथों में बाल्टियाँ लेकर खारून नदी से जेल लाया और मानव श्रृंखला के माध्यम से शिवलिंग तक पहुंचाकर जलाभिषेक किया।

इस दौरान बाजे-गाजे और भजन-कीर्तन के बीच शिवभक्त नाचते-गाते नजर आए। कार्तियों ने भगवान भोलेनाथ से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना एवं हवन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें देश-सामंत दूर-दरास से पहुंचे श्रद्धालुओं ने शालग्रामदी प्रणय की।

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू, जनपद सदस्य रश्मिभेद, सहित मंदिर समिति के सदस्य उपस्थित थे।

दुर्गा। दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित शांति
नंबर 64 ब प्रिया सिंगर सदन के सामने
आम ज्वैलर्स की अगनिगत डिजाइन्ग
लोगों को खूब आकर्षित कर रही है।
संचालक श्री सोनी ने बताया कि
उन्होंने अपने बड़ा मासिक ई योजन
काल की है। इसमें 1000 से लेकर
आपके बजट तक हर महीना का क्रिस
जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुल
किस्त प्राप्त होने पर आपको एक महीने
को क्रिस ज्वैलर्स के द्वारा दी जाती है।
सोनी ने बताया कि उनके घर पर पहुँचने
सेवा भी उपलब्ध है। ग्राहक अपनी प
को खरीद कर पेमेंट घर से भी दे
अलावा टोटल ऑनलाइन, चिके, एटी
एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने अपने को



न्यूनतम मजदूरी के साथ शादी के गहने, स्पेशल टूरिस्टों के लिए चांदी की दीवारें

या बनाने का काम भी ओम ज्वेलर्स करता है। ज्वेलरी रीपैरिंग की तत्काल सहायता उपलब्ध है। आगे दिवाली, वैशाखी सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि मार्च याहं टोटल 916 (22 कैरेट) 833 20कैरेट) एवं 750 (18कैरेट) 12लिंगमार्क गहने उपलब्ध हैं। उन्हां यहाँ पूरे से सम दाम पर ज्वेलरी उपलब्ध है। 10% चांदी की मैकिंग चार्ज एवं सोना रजितना सोना नार्किंग चांदी प्री एवं द के साथ ग्राहकों को उपलब्ध है। की खरीदी पर दूरक्षा एवं दुल्हन को गैंग, इम्पोर्ट वॉच, जितना सोना उतनी ती है।

भिलाई। औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसरों के बीच भिलाई के फायर, सेफ्टी और डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। रांश से बंदियाखेत रोपनी



के बाद कंपनी की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया और इंटरव्यू के बाद उनका चयन किया गया। संस्था के मुख्य प्रबंधक रवि सोनी और निदेशक मनोज ठाकरे ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों को औद्योगिक सुरक्षा और फायर हारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को पुरा, कर्नाटक में पंजाब, लुधियाना, जेजबा, सुक्ष्म, लघु मंत्रालय की ओर से प्रमाण-पत्र प्रदान करती प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में प्रगति हो रहे हैं।

फाइटिंग का व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को एमडिसएमई-सीटीआर, लुधियाना पंजाब, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। इसी प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र के आधार पर विद्यार्थियों को विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

A large group of students in school uniforms are gathered outdoors at night. They are standing in long, parallel lines on a dirt path, facing away from the camera towards a bright light source in the distance. In the foreground, a group of students is sitting on the ground, also facing away from the camera. The scene is illuminated by a very bright, central light source, possibly a stage light or a powerful spotlight, which creates a strong glow and casts long shadows. The background is dark, and the overall atmosphere is one of a large-scale outdoor event or assembly.

एसडीओपी, एसडीएम और तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। अधिकारियों ने छात्रों को उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसके बाद जिला शिक्षा विभाग की ओर से दो शिक्षकों को अटैच करने की कार्रवाई भी की गई थी। लेकिन छात्रों का कहना था कि इससे उनकी समस्या का पूर्ण समाधान नहीं हुआ। मंगलवार को दोबारा आंदोलन के बाद देर

रात प्रशासन ने छात्रों की तीनों प्रमुख मांगों पर नियंत्रण लेते हुए 5 शिक्षकों की नियुक्ति प्राचार्य को हटाने और ओपन स्कूल व्यवस्था बंद करने की कार्रवाई की। प्रशासन के फैसले के बाद पेंड्रावन में छात्रों का आंदोलन समाप्त हुआ। लंबे समय से चली आ रही शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान के बाद अब विद्यार्थियों को स्कूल में नियमित और बेहतर पढ़ाई की उम्मीद है।

अण्डा। ग्राम रिसामा में गोस्वामी तुलसीदास के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित मानस गोष्ठी कार्यक्रम के सफल आयोजन पर श्री सम्पन्न ज्ञान ज्योतिष मानस मंडली एवं मानस गोष्ठी आयोजन समिति ने सभी सहयोगियों, मानस प्रेमियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। आयोजन समिति ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं पुत्रजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही मानस सुधा परिवार के सभी सदस्यों ने अपनी आस्था, सहभागिता और सहयोग से आयोजन के सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति ने हेमलाल साहु, जोहन साहु, राजेन्द्र शेरमुख, पं. भूषिका महाराज, तुलाराम साहु, मन्म साहु, सुषण यादव, टी.पी. शर्मा, सुमन साहु, खमेश्वर वैष्णव, ऋषि साहु, दीपक, कामता कौशिक, गोविन्द साहु, रोशन साहु अण्डा, देनारायण सप्रे, टेकराम साहु, जीवन साहु गनियारी एवं हुबलाल धीवर सचित मानस सुधा परिवार के सभी सदस्यों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

पाटन। सनातन जागरण समिति, पाटन ने तत्वावधान में भगवान शिव के प्रति आस्था भक्ति एवं समर्पण के प्रतीक विशाल कांव यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सुबह 8 बजे नारायणपुर (घुघुवा क) के बड़े तालाब स्थित भगवान गुमानेश्वर शिव मंदिर में जलाभिषेक कर किया गया।



श्रद्धालु कांवड़ लेकर सनातन जागरण समिति के संयोजक प्रणव शर्मा के नेतृत्व में प्राचीन शिव मंदिर, देवबलौदा के लिए निकले। कांवड़ यात्रा का शोभा बढ़ाते हुए भगवान भोलेनाथ के भक्तिमय गीत संगीत जयकारे के साथ साथ अघोरी रूप धरे भव्य झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

A photograph showing four men, likely spiritual leaders, seated in a row on a colorful, patterned mat. They are dressed in traditional white robes. The man on the far right has a long white beard and is wearing a large, ornate garland of yellow and red flowers. Behind them is a banner with text in Hindi, including 'श्री भाग्यश्री आश्रम' and 'विद्या - विमल - विभक्त'.

अण्डा। पवित्र श्रावण मास के शुभ अवसर पर श्री भगवत आश्रम, ललितमरा में 24 अगस्त सोमवार को 51 पार्थिव शिवलिंग रूद्राभिषेक हुआ। आयोजन में ललितमरा सहित आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान भोलेनाथ की आराधना कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्री भगवत आश्रम, ललितमरा के मुख्य संचालक एवं प्रखर कथावाचक संत निरंजन महाराज के मार्गदर्शन में यह धार्मिक आयोजन हुआ। रूद्राभिषेक के दौरान मंत्रालुओं ने भगवान शिव का जल, दूध एवं विविध पूजन सामग्रियों से अभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की। पूरे आयोजन में भक्ति भाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा। इस दौरान मुख्य रूप से परमेश्वर महाराज, संतोष शास्त्री, विजय शास्त्री, डाक्टर रोशन टिलखैरिया, निमेश टिलखैरिया, दुष्यंत टिलखैरिया, भिरेंद्र टंडन, ईश्वारी चंदेल, मोहन पटेल, हरिश्चंकर साहू रिसाली, संजय ठाकुर सहित समस्त ललितमरा आश्रम परिवार सहित आस पास के भक्तजन उपस्थित थे।

समृद्ध। छत्तीसगढ़ शिक्षक सङ्घा में एक के प्रांतीय आह्वाण पर शिक्षक संगर्ग की वर्षों से प्रभावित एवं न्यायोचित समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु 27 अगस्त से लग्भग त्रैमासिक कालीन हड़ताल एवं महारौली की पूर्ण तैयारी कर ली गई है। इसी कड़ी में मंगलवार को मंच के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय टुंग-पहुँचकर विमानत ज्ञापन व पूर्व सूचना पत्र सौंपा। प्रमुख रूप से दुर्ग अनिवार्यता सम्बन्ध की करने, पुरानी नियमों से पदोन्नति, मोदी की गारंटी के तहत क्रमोन्नति प्रदान करने और पुरानी सेवा बहाल करने की मांग की गई। पदधिकारियों ने ब्रत कर 27 अगस्त से दुर्ग में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सम्मक्ष विशाल धरना प्रदर्शन प्राप्ति होगा तथा वहां से सेवा सदन (शिक्षा मंत्री निवास) तक ऐतिहासिक रेली निकाली जाएगी। मंच के कार्यकारी अध्यक्ष सन्त कौशिक एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेंद्र हरहमुख ने दुर्ग अध्यापक, रायपुर संगर्ग एवं बस्तर संगर्ग के सम्मत् एल.बी. एवं शिक्षक संगर्ग के साथियों से एकजुटता का आह्वान किया है।



HEALTH TOWN







न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

• गैटरनिटी, सिंड्रोम एवं सर्जिकल हॉस्पिटल •

उत्तम सुविधाएँ

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- नार्मल एवं सीजेडियम डिलीवरी
- एच ब्रेस्टफीड का ऑपरेशन व लसबाई
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

मैं और मेरा परिवार

- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी इन्फैंज, सर्जिस्ट्रील, सरकम सीजन की सुविधा
- आयुष्मान कार्ड और CSEB से केरालेस उपचार
- TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी. सिंह
(एनबीएचए, एनडी) दिग्विधु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीएचए, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
एकमात्र नगर, अलखंडर चौक के पास, सुबिहारी रायपुर
बॉय: मातृ स्मृति नगर बाजार, गार्दनी रोड के सामने, सुबिहारी, रायपुर



भास्कर आई केयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

📞 नितंकारी सलिंग भवन के पास, हिंदी स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाग, रायपुर (छ.ग.) 📞 07714024989 | 9329124989



एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब

गावरी नर्सिंग होम में

📞 फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
📞 9827144197, 9827144777

- मूत्र रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध





पाइल्स

पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मरसे को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है।
समय: सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक



राज-राजेश्वरी

आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561

📞 सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। 📞 मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

कांग्रेस अनुशासन समिति के सदस्य बने बेनूराम

भिलाई। प्रदेश किसान कांग्रेस में बेनू राम साहू को कांग्रेस अनुशासन समिति के सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति



अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खेरा और राष्ट्रीय प्रभारी संगठन अखिलेश शुक्ला की सहमति पर प्रभारी महासचिव सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु की अनुमति से हुई है। राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी किसान कांग्रेस मनोज, राम मोहन बरुआ, प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा के हस्ताक्षर से छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस अनुशासन समिति का गठन किया गया है। समिति में प्रदेश संयोजक राजेश जैन और बेनूराम साहू समेत 13 लोगों को सदस्य नियुक्त किया गया है।

सेप्टी वॉरियर्स की बैठक में सुरक्षित कार्यसंस्कृति को लेकर मंथन



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सेप्टी एक्सीलेंस सेंटर के सभागार में संयंत्र के सेप्टी वॉरियर्स की परिचयात्मक बैठक हुई। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक पुष्पा एंग्रोस थीं। मुख्य अतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने, कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान करने तथा सुरक्षित कार्य व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए सेप्टी वॉरियर्स की भूमिका को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सेप्टी वॉरियर्स ने अपना परिचय दिया तथा संयंत्र के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए अपने अनुभवों, ऑब्जर्वेशन और सुझावों को साझा किया। वॉरियर्स ने कार्यस्थल पर दिखाई देने वाले संभावित सुरक्षा जोखिमों, सुरक्षित कार्य पद्धतियों तथा सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाने के लिए किए जा सकने वाले प्रयासों पर भी विचार रखा। श्रीमती एंग्रोस ने कहा कि संयंत्र में कार्यरत हमारे सेप्टी वॉरियर्स निःस्वार्थ एवं निर्भीक भाव से कार्य करते हुए “शून्य प्राणांतक दुर्घटना लक्ष्य” की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। सेप्टी वॉरियर्स द्वारा विभिन्न कार्यस्थलों पर सक्रिय रूप से किए जा रहे ऑब्जर्वेशन और दिए जाने वाले सुझाव सुरक्षा संबंधी जोखिमों की समय पर पहचान और उनके निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भिलाई के सेप्टी वॉरियर्स की पहचान अब केवल संयंत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सेल स्तर पर भी उनके सुरक्षा संबंधी प्रयासों को पहचान मिली है। बैठक के दौरान आगामी अवधि में संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता एवं सुरक्षित कार्य व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर भी चर्चा की गई।

बीएसपी में ठेका मजदूरों के बाद अब कर्मचारियों को भी सुरक्षा उपकरणों की दरकार

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिलाई

हिंदुस्तान स्टील एम्प्लाइज यूनियन, सीटू ने भिलाई इस्पात संयंत्र में ठेका मजदूरों के बाद अब कर्मचारियों को भी आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सीटू यूनियन ने मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा अभियांत्रिकी से मिलकर कार्मिक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की है। कार्मिक विभाग के कर्मचारियों को नियमित रूप से संयंत्र के विभिन्न विभागों एवं वर्क्स एरिया में जाना पड़ता है।

इस दौरान वे कर्मचारियों से संवाद, बैठकों में भागीदारी तथा विभिन्न

सीटू ने मुख्य महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन, सेप्टी शू, हेलमेट व रैनकोट मांगे

वेलफेयर सुविधाओं का निरीक्षण करते हैं। प्लांट के अंदर कार्मिक विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके कार्य की प्रकृति और कार्यस्थल की परिस्थितियों के अनुसार सेप्टी शू और सेप्टी हेलमेट उपलब्ध कराने की जरूरत बताई गई है। सीटू ने बताया कि कई कार्यालय वर्क्स एरिया से काफी दूरी पर स्थित होने के कारण कर्मचारियों को खुले क्षेत्रों और औद्योगिक परिसरों से होकर आवागमन करना पड़ता है। इस स्थिति में आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का अभाव कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम में डाल सकता है।



मेजी गई ज्ञापन

सीटू ने बताया कि 1 अगस्त को जारी सिकुलर के मुताबिक कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। इसमें रैनकोट के साथ सेप्टी शू व हेलमेट आदि सामग्रियां शामिल हैं। इनके बिना कर्मियों को कार्यस्थल और अन्यत्र जाने आने में सुरक्षा को खतरा बना रहता है। यूनियन के मुताबिक कार्यालयक निदेशकों को भी मेजी गई ज्ञापन की प्रतिलिपि में संबंधित विभागों को सरुक्षा सामग्री जल्द प्रदान करवाने निर्देशित करने और कार्रवाई की मांग की गई है। ताकि काम करने में सुविधा व निश्चितता हो।

शोर और औद्योगिक जोखिमों से सुरक्षा की दरकार

ज्ञापन में यूनियन ने वर्क्स एरिया में भ्रमण और कार्य के दौरान आवश्यकतानुसार एयर प्लग/इयर प्लग सहित अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पी पी ई) उपलब्ध कराने की मांग की है। कार्मिक विभाग के कर्मचारी भी अपने आधिकारिक कार्यों के कारण अनेक औद्योगिक क्षेत्रों में जाते हैं। इसके चलते शोर, धूल तथा अन्य कार्यस्थलीय जोखिमों से बचाने के लिए आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। साथ ही बरसात में रैनकोट व वर्षा से सुरक्षा सामग्री भी उपलब्ध करवाने की मांग यूनियन ने की है।

चरोदा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में इन्वर्टर तक की सुविधा नहीं, बिजली गुल

मोबाइल की रोशनी में इलाज, भगवान भरोसे चल रहा चरोदा सरकारी अस्पताल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

भिलाई-3 के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरोदा में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली मरीजों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। अस्पताल में डॉक्टर और स्टाफ के समय पर नहीं पहुंचने की शिकायतों के बीच बिजली गुल होने पर मरीजों का मोबाइल की रोशनी में इलाज किए जाने का मामला सामने आया है। अस्पताल में इन्वर्टर तक की सुविधा नहीं होने से लंबे समय तक बिजली बंद रहने पर मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को परेशानी उठानी पड़ती है। हालात यह हैं कि जिस अस्पताल में मरीजों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए, वहां व्यवस्थाओं की कमी के कारण लोगों को परेशान होकर लौटना पड़ रहा है। दूसरी ओर चरोदा अस्पताल में पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलने के कारण भिलाई-3 अस्पताल में मरीजों की भीड़ बढ़ती जा रही है। चरोदा के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में बिजली गुल होने की स्थिति में मरीजों के इलाज और जांच के लिए मोबाइल फोन की रोशनी का सहारा लेने की नौबत आने की बात सामने आई है। अस्पताल में इन्वर्टर की सुविधा नहीं होने के कारण बिजली बंद होने पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर रोशनी की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। 24 अगस्त को गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर के उपलब्ध नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। डॉक्टर के नहीं पहुंचने से नाराज परिजनों ने मितानिनों के साथ विवाद किया। दरअसल, मितानिनों अपने-अपने क्षेत्र में घूमकर गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के लिए अस्पताल लेकर आती हैं। ऐसे में अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने पर मरीजों और उनके परिजनों का समय और आने-जाने में खर्च हुआ पैसा दोनों बर्बाद होता है। इसका गुस्सा कई बार मितानिनों को झेलना पड़ता है।

न डॉक्टर समय पर पहुंचते हैं न स्टाफ



मरीजों को अस्पताल लाती हैं मितानिनें, व्यवस्था की मार भी उन्हीं पर

मितानिनों की भूमिका स्वास्थ्य व्यवस्था में बेहद महत्वपूर्ण है। वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करती हैं और जरूरत पड़ने पर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाती हैं, लेकिन अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मरीजों के परिजनों के सवालों का सामना भी इन्हीं मितानिनों को करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि वे मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने का काम करती हैं, लेकिन डॉक्टर और अस्पताल की व्यवस्था उनके हाथ में नहीं है।

अधिकारियों के निरीक्षण पर भी सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीएसएचओ कार्यालय के अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण नहीं किए जाने के कारण अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हो रहा है। डॉक्टर और स्टाफ की समय पर उपस्थिति से लेकर बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था तक कई सवाल लंबे समय से बने हुए हैं। यदि स्वास्थ्य केन्द्र का नियमित निरीक्षण हो और व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की जांच की जाए तो मरीजों को होने वाली परेशानियों का पता चल सकता है, अस्पताल तक पहुंचाने का काम करती हैं, लेकिन डॉक्टर और अस्पताल की व्यवस्था उनके हाथ में नहीं है।

भिलाई-3 अस्पताल में

बढ़ रहा मरीजों का दबाव

चरोदा स्वास्थ्य केन्द्र में पर्याप्त सुविधाएं और समय पर चिकित्सकीय सेवाएं नहीं मिलने के कारण मरीजों को दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर भिलाई-3 अस्पताल पर पड़ रहा है, जहां मरीजों की संख्या बढ़ने की बात सामने आई है। एक तरफ सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के जरिए लोगों को उनके नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है, वहीं दूसरी तरफ चरोदा का स्वास्थ्य केन्द्र बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझता नजर आ रहा है।

सोलर सिस्टम एकमात्र उपाय

प्राशासन को अनेक बार अवगत कराया गया है। कई अस्पतालों ने सोलर सिस्टम लगा है, लेकिन चरोदा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में नहीं लग पाया। कई घंटे बिजली गुल होने पर मरीज और स्टाफ दोनों को परेशानी होती है। परेशानी से शुरुआत पावे सोलर सिस्टम की एक मात्र उपाय है।

डॉ. भुवनेश्वर कटौतिया, खंड चिकित्सा अधिकारी भिलाई 3-चरोदा

सड़क पर विवाद, रास्ता जाम, 5 लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

सड़क पर वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित कर विवाद करने वाले पांच युवकों के खिलाफ

- ग्राम फुण्डा पेट्रोल पंप के पास की घटना

प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पाटन पुलिस ने बताया कि ग्राम फुण्डा पेट्रोल पंप के पास पिकअप वाहन सीजी 04 सीपी 1340, आईचर ट्रक सीजी 07 सीजेड



7732 को आम सड़क पर खड़ा कर आवागमन में बाधा उत्पन्न किया। इसके कारण दोनों वाहन चालकों के बीच विवाद शुरू हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने ग्राम खोपली उतई निवासी भूपेश कुमार बघेल, सोमनापुर महामाया पारा जिला कवर्धा भागवत वर्मा, राजू कुमार धुर्वे, गरियाबंद, हाल फुण्डा, पाटन

मोहन सोरी, ग्राम कसही मानस चंदेल पर कार्रवाई की गई। उक्त दोनों वाहनों की कीमत 19 लाख रुपए आंकी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पुलिस व एसीसीयू टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर पहले दोनों चालकों को पहले समझाझि दी। लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पाया। विवाद के बाद घटनास्थल में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। इसे लेकर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों वाहन चालक उनके साथियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पांच बार निर्दलीय नगर निगम चुनाव जीतकर बनाया रिकॉर्ड

भिलाई की बेबाक आवाज खामोश, नहीं रहे वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ मिश्रा

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिलाई

नगर निगम भिलाई की राजनीति के सशक्त स्तंभ और वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा का 56 साल की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर

- सता और विपक्ष सभी करते थे उनके मुद्दों और बातों का सम्मान

भिलाई के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति बताते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेक्टर-2, सड़क नंबर 6 निवासी वशिष्ठ नारायण मिश्रा का भिलाई की स्थानीय राजनीति में अलग ही रिकॉर्ड रहा। नगर निगम भिलाई के गठन के बाद हुए सभी पांचों चुनाव उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीतकर अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ साबित की। उन्होंने निगम सदन में सेक्टर-1 और सेक्टर-2 क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वशिष्ठ नारायण मिश्रा की पहचान एक ऐसे पार्षद के रूप में थी, जो निगम की बैठकों में पूरी तैयारी और अध्ययन के साथ अपनी बात रखते थे।

आंदोलनों में निमाई अहम भूमिका



उन्होंने महापौर पद के लिए भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। तीन भाइयों में दूसरे नंबर के वशिष्ठ नारायण मिश्रा आजीवन अविवाहित रहे। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए उन्होंने लंबे समय तक स्थानीय राजनीति और जनहित के मुद्दों के लिए अपनी भूमिका निभाई।

राजनीतिक दलों में शोक

उनके निधन पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, सांसद विजय बघेल, भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, पूर्व महापौर नीता लोधी, पूर्व मंत्री बदरुद्दीन कुरेशी, बुजर्मीहन सिंह, जी. सुरेश बाबे और पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, समाजसेवियों और नगर निगम जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया।

महापौर ने कहा विकास की चलती-फिरती लाइब्रेरी थे वशिष्ठ

भिलाई नगर नगम के महापौर नीरज पाल ने कहा कि भिलाई की माटी ने आज राजनीति का सबसे मजबूत स्तंभ खो दिया है। वशिष्ठ भिलाई के राजनीति 'चाणक्य' के रूप में जाने जाते थे। यह उपाधि उन्होंने अपनी विलक्षण राजनीतिक सूझबूझ से कमाई थी। वे सत्ता के केंद्र में रहे हों या विपक्ष में, उनकी रणनीति का लोहा हर किसी ने माना। नगर निगम के सदन में जब भी कोई गतिरोध आता, वशिष्ठ नारायण का एक मुस्कुराता हुआ हस्तक्षेप हर विवाद को शांत कर देता था। पेचीदा से पेचीदा प्रशासनिक और राजनैतिक मुद्दों को चुटकियों में सुलझा लेना उनकी अद्भुत खूबी थी। उनका एक किस्सा आज भी कार्यकर्ताओं के बीच जिंदा है कि देर रात भी अगर कोई पौड़ित उनके दरवाजे पर आ जाता, तो वे खुद गाड़ी उठाकर उसकी मदद के लिए निकल पड़ते थे। उनकी सहजता ऐसी थी कि विरोधी विचारधारा के लोग भी संकट के समय उनसे सलाह लेने आते थे। वे भिलाई के विकास की चलती-फिरती लाइब्रेरी थे।

राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में अविस्मरणीय योगदान

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा के देहांत पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका निधन हम सभी के लिए अपूर्णीय क्षति है। राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

भावपूर्ण

श्रद्धांजलि

एक मित्र, एक मार्गदर्शक, एक जनसेवक को शत-शत नमन।

आज हमारा पुराना साथी, सच्चा मित्र और नगर निगम का समर्पित पार्षद हमारे बीच नहीं रहा।

उनकी कमी को शब्दों में बयां कर पाना संभव नहीं है।

वह मेरे साथ हमेशा खड़ा रहा – हर उतार-चढ़ाव में, हर सुख-दुःख में।

न सिर्फ एक जिम्मेदार **जनप्रतिनिधि** के रूप में, बल्कि एक सच्चे **मित्र और भाई** के रूप में, उन्होंने सबका दिल जीता।

उनकी सरलता, ईमानदारी, समर्पण और लोगों के प्रति सच्चा प्रेम हमेशा हमें **प्रेरणा** देता रहेगा।

विनम्र श्रद्धांजलि

नीरज पाल

महापौर, भिलाई

लाइव इवेंट

ओणम की उल्लासमयी छटा के बीच रंग तरंग-2026 का हुआ आगाज



भिलाई। महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में बुधवार को पांच दिवसीय अखिल भारतीय नाट्य, नृत्य, संगीत, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता सह समारोह रंग तरंग-2026 का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन की शुरुआत केरल के लोकपर्व ओणम के अवसर पर हुई, जिसने कार्यक्रम को दोहरा उत्सवी रंग दे दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी, कवयित्री, साहित्यकार संतोष झांझी, गायक और संगीत गुरु दीपेन हालदार ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ओणम जहां समृद्धि और सामूहिक उल्लास का संदेश देता है, वहीं कला मनुष्यों को जोड़ने का सशक्त माध्यम है, इसलिए दोनों का संयोग विशेष अर्थ रखता है। उद्घाटन सत्र में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों की गायन एवं ड्राइंग प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जिनमें नन्हे प्रतिभागियों ने रंगों और सुरों से वातावरण को जीवंत कर दिया। इसी क्रम में आज स्व. कलावती सामंत स्मृति गायन प्रतियोगिता भी रंग तरंग-2026 का प्रमुख आकर्षण है, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभाशाली गायक अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के लिए ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन रोज सुबह 8 बजे से किया जाएगा। इसके साथ देशभर से आए कलाकारों की विविध प्रस्तुतियों और कला प्रदर्शनी ने दर्शकों को आकर्षित किया।

लाइव इवेंट

यंग इंडियंस पार्लियामेंट से लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय कार्यप्रणाली से युवा हुए परिचित



दुर्ग। युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराने की दिशा में यंग इंडियंस, भारतीय उद्योग परिषद के युवा संगठन, की महत्वपूर्ण पहल यंग इंडियंस पार्लियामेंट के ईस्टर्न रीजनल राउंड का दो दिवसीय आयोजन दुर्ग में संपन्न हुआ। आयोजन का समापन समारोह के साथ हुआ। वाएआईपी के माध्यम से विद्यार्थियों को संसद की कार्यप्रणाली, संसदीय बहस, विधेयक एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करने तथा उनके पारित होने जैसी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाता है। यह पहल तीन चरणों चैप्टर राउंड, रीजनल राउंड और नेशनल फाइनल्स में आयोजित होती है। चैप्टर राउंड में चयनित विद्यार्थी रीजनल राउंड में पहुंचते हैं और यहां से उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन राष्ट्रीय फाइनल्स के लिए किया जाता है। दुर्ग में आयोजित ईस्टर्न रीजनल राउंड में छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 30 से अधिक स्कूलों के कुल 115 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, जमशेदपुर, सिलीगुड़ी, भुवनेश्वर, बालासोर, रायपुर सहित विभिन्न शहरों से पहुंचे विद्यार्थियों ने संसदीय बहस, तर्क-वितर्क और संसद के माध्यम से अपनी नेतृत्व एवं अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन किया। रीजनल राउंड के उत्कृष्ट प्रतिभागी अब नई दिल्ली में होने वाले नेशनल फाइनल्स में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में दुर्ग रेंज के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प राय ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया।

लाइव इवेंट

जरूरतमंद विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए किया सहयोग

भिलाई। डॉ. आंबेडकर शिक्षा मित्र सोसायटी की ओर से जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। सेक्टर-6 स्थित डॉ. आंबेडकर सांस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में चार विद्यार्थियों को कुल 90 हजार रुपए के चेक प्रदान किए गए। मेडिकल कॉलेज उज्जैन की छात्रा अदिति रामटेके, आईआईटी भिलाई के प्रवीण मेश्राम और दिल्ली विश्वविद्यालय की नूतन अंबादे को 25-25 हजार रुपए, जबकि बी.कॉम. के छात्र विपुल बागड़े को 15 हजार रुपए की सहायता दी गई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई के अध्यक्ष विनोद वासनिक ने सोसायटी के प्रयासों को सराहनीय बताया। अध्यक्ष अजय गणवीर ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाना सोसायटी का प्रमुख लक्ष्य है।

● सर पे लाल टोपी रूसी पर गीत पर नाचने लगे थे रशियंस भी

जब सुरों के सरताज मुकेश ने पावर हाउस में गाया टावर हाउस का गीत भांजे ओमकार दयाल की शादी में शामिल होने 1962 में आए थे भिलाई

अपने सुरीले गीतों से सिल्वर स्क्रीन पर कई फिल्म अभिनेताओं की आवाज बने गुजरे जमाने के जाने माने पार्श्व गायक मुकेश ने संगीतप्रेमियों के दिलों में एक अलग मकाम बनाया। तीन दशक बाद भी फिजां में जब उनके दर्दभरे नगमों गूंजते हैं कि तो लोग एक रुहानी एहसास से भर जाते हैं। उनसे सबको बिछड़े हुए एक जमाना बीत गया लेकिन यूं लगता है कि जैसे उनकी दर्दभरी आवाज ही नहीं बल्कि एक हंसता मुस्कुराते चेहरा हमारे आसपास हो। लोगों को यह जानकर सुखद आश्चर्य हो सकता है कि झूमझूम कर नाचा आज गाओ खुशी के गीत हो और आवारा हूं ... जैसे कई नगमों से देश दुनिया के लोगों की जिंदगी में खुशी देने वाला यह अमर गायक सचमुच औद्योगिक तीर्थ में फौलादियों के दिलों में भी भिसरी घोल गया था। साठ के दशक में सुरों के सरताज मुकेश के भिलाई आने की खुशनुमा यादें आज भी संगीतप्रेमियों के दिलों में तरताजा हैं।

विमलशंकर झा ►►भिलाई

संगीत के बीते सुनहरे दौर के अमर गायक मुकेश के सदाबहार गीतों के दीवाने ग्रामोफोन और रेडियो के दौर की पुरानी पीढ़ी ही नहीं बल्कि फिक्शन और रिमिक्स के मोबाइल और इंटरनेट के मौजूदा वक्त के युवा भी भी हैं। इसकी वजह यह है कि वे गमगीन गीतों को भी उसी तरह डूबकर गाते थे जिस तरह खुशी के नगमों को अपनी मधुर आवाज देते थे। संगीत की इस दीवानगी के कारण ही वे बालीवुड के पचासों कलाकारों के ही नहीं वरन शंकर जयकिशन से लेकर लक्ष्मी प्यारे तक सभी मशहूर संगीतकारों के अजीज बने रहे। उनके भिलाई आने की यादगार दास्तां भी सरस्वती की साधना की प्रेरक नजीर हैं। मशहूर आर्केस्ट्रा सुरबहार के मुकेश की आवाज में गाने वाले पद्मनाभपुर निवासी 77 वर्षीय प्रमोद नायक बताते हैं कि पार्श्व गायक मुकेश किसी शो में नहीं बल्कि अपने भांजे की शादी में शामिल होने एक दिन के लिए 1962 में भिलाई आए थे। शादी के छोटे से समारोह में उनका मधुर गीतों को सुनना भिलाई के लोगों के साथ हिंदी नहीं जानने वाले रशियंस के लिए भी भावविभोर कर देने वाला अनुभव था। भिलाई इस्पात संयंत्र में उप महाप्रबंधक रहे मुकेश के भांजे ओमकार दयाल की शादी चंद लोगों की मौजूदगी में हुई थी। लेकिन फिल्म टावर हाउस के संगीतकार रवि गीत की रिकार्डिंग में विलंब के कारण मुकेश को शादी में जाने पुरजोर मना कर रहे थे। फिल्म के निदेशक एएन अंसारी ने भी कहा कि मेरी फिल्म सिर्फ आपके गाने के लिए रुकी है। मुकेश ने चिरीरी करते हुए कहा कि मैं वादा करता हूं अपने गाने की रिहर्सल मैं वक्त निकालकर भिलाई में भी करता रहूंगा। और सचमुच भिलाई में रियाज से वह गीत न सिर्फ सोने में सोहागा हुआ बल्कि दूल्हा दुल्हन के साथ शादी पार्टी में शामिल भिलाई को लोगों के लिए भी एक अविस्मरणीय उपहार साबित हुआ।



1962 में ठंडी के दिनों में भांजे ओमकार दयाल की शादी में यहां आए गायक मुकेश संगीतकार से वादे के मुताबिक अति व्यस्तता से समय चुराकर निवास पद्मनाभुर में स्टोर रूम में हारमोनियम पर दस, दस, बीस बीस मिनट फिल्म टावरहाउस के गीत मैं खुशनसीब हूं मुझको तुम्हारा प्यार मिला... की रिहर्सल करते रहे। इतना ही नहीं उन्होंने यह गीत इस फिल्म के आर्ट डायरेक्टर के एक रिश्तेदार श्री चावला जिन्हें छयारोग से पीड़ित थे और पावरहाउस में रहते उन्हें भी खुश करने सुनाया था। मुकेश के दीवाने श्री नायक बताते हैं कि एक दिन की शर्त पर शादी में आए मुकेश ने मैं खुशनसीब हूं ...और एक और कोई गीत सुनाए थे। लेकिन जब उन्हें शादी में आए एक रशियंस कपल द्वारा बताया गया कि भिलाई में कई रशियंस भी रहते हैं तो मिलने के आग्रह पर उन्होंने उनसे मिलने की इच्छा जताई। दूसरे दिन रशियन काम्प्लेक्स में खास मेहमान बने मुकेश ने आवारा हूं व मेरा जुता है जापानी सर पर लाल टोपी रूसी सहित जब कुछ गीत सुनाए तो उन्हें भारवाबिभोर होकर रशियन घड़ी भेंटकर नाचते हुए गोद में उठा लिया था।

सतीचौरा में दिव्य श्रृंगार संग हुई बाबा की महाआरती

भिलाई। सावन मास के अंतिम चरण में सतीचौरा स्थित सतीश्वर महादेव मंदिर में भक्तिभाव का विशेष नजारा देखने को मिला। मंदिर में बाबा का उज्जैन के महाकाल स्वरूप में दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाकाल मंदिर की आरती की तर्ज पर बाबा की भव्य महाआरती की गई। इस दौरान गंजपारा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के मनमोहक स्वरूप के दर्शन किए। सतीचौरा में स्थापित सतीश्वर महादेव का शिवलिंग की वर्ष से भी अधिक पुराना बताया जाता है। मान्यता है कि खुदाई के दौरान यह शिवलिंग जमीन से प्रकट हुआ था। क्षेत्रवासियों के लिए यह मनोकामना सिद्ध शिवलिंग है, जहां गंजपारा सहित आसपास के लोग नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन के चार सोमवार, चार अलग स्वरूप: सावन माह के दौरान सतीश्वर महादेव के प्रत्येक सोमवार को



अलग-अलग स्वरूप में श्रृंगार किया गया। पहले सोमवार को बाबा का फूलों से श्रृंगार हुआ, दूसरे सोमवार को बेलपत्र और विशेष वस्त्रों से सजाया गया, जबकि तीसरे सोमवार को फूलों से श्रृंगार किया गया। सावन के अंतिम सोमवार पर बाबा को उज्जैन के महाकाल स्वरूप में सजाया

गया। इस विशेष श्रृंगार के दर्शन के लिए सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। अंतिम सोमवार के अवसर पर मंदिर के पुजारी सुनील पांडेय ने विशेष पूजा-अर्चना कराई। वहीं आदित्य चतुर्वेदी ने बाबा का महाकाल स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया। श्रृंगार के बाद महाकाल मंदिर की आरती के स्वरूप में महाआरती की गई। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद श्रद्धालुओं को मिष्ठान, पोहा, चॉकलेट, नमकीन और फलों का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, गोपाल शर्मा, मनीष सेन, प्रकाश सिन्हा, नरेंद्र शर्मा, सोनल सेन, घनश्याम पंड्या, प्रकाश टावरी, मोहित पुरोहित, ऋषि गुप्ता, सुजल शर्मा, सुंदर गुप्ता, दुर्गा कश्यप, प्रशांत कश्यप, जीवन राजपूत, बिरजू यादव, दीनानाथ दीमर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

नव युवा मित्र मंडल ने पोधारोपण कर किया गणेश पंडाल का भूमि पूजन

भिलाई। नव युवा मित्र मंडल न्यू खुरसीपार द्वारा इस वर्ष भी गणेश पूजन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पंडाल स्थल पर भूमि पूजन और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 62 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान सभी पौधे विभिन्न मंदिर समितियों, स्कूल समितियों, सामाजिक एवं महिला समितियों के प्रमुखजनों द्वारा रोपित किए गए। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुरेश सिंह, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, एशा लहरे जोन आयुक्त, आयोजक मंडल के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, संस्थापक दीपक बंसल, सतीश शर्मा और शिरीष अग्रवाल उपस्थित रहे। वृक्षारोपण में सहभागी माता संतोषी मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर संगम चौक, हनुमान मंदिर जी.ई. रोड, मंत्रेश्वर महादेव मंदिर, हनुमान मंदिर डवरा पारा चौक, माता राजराजेश्वरी मंदिर पावर हाउस चौक, बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर-11 सहित प्रताप राय शिवानी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, अशोक लाहोटी, कमलेश शर्मा, मुरलीधर अग्रवाल शामिल थे।



भिलाई महिला महाविद्यालय में छह दिवसीय एआईसीटीई-एटीएएल

एआई से स्मार्ट होगा शिक्षण, शोध और शिक्षा का भविष्य शिक्षकों को एआई टूल्स और तकनीक की दी जानकारी

कार्नर न्यूज

भिलाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, शोध और प्रशासनिक कार्यों को भी नई दिशा दे रहा है। इसी बदलते तकनीकी परिदृश्य में शिक्षकों को एआई की नवीनतम तकनीकों और उनके व्यावहारिक उपयोग से रूबरू कराने के लिए भिलाई महिला महाविद्यालय में आयोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन हुआ। एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग अकादमी, एआईसीटीई नई दिल्ली के प्रायोजन में आयोजित वर्तमान परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषयक कार्यक्रम में शिक्षकों को एआई टूल्स, डेटा माइनिंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सहित तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार धर, भिलाई महिला महाविद्यालय के चेयरमैन अरविंद जैन और ट्रस्ट के सचिव सुरेंद्र गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. धर ने वर्तमान परिदृश्य में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं एआई मंत्रास के फाउंडर एवं सीईओ अभिनव कर्लोडियस ने एआई के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। ऑपरेशंस हेड अविनाश सिन्हा ने मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रतिभागियों को हैड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया।



डेटा से लेकर एआई टूल्स तक की मिली जानकारी

कार्यक्रम के दूसरे दिन एसएसआईपीएमटी के विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद ताम्रकार ने डेटा माइनिंग के माध्यम से बुद्धिमतापूर्ण विश्लेषण और बीआईटी दुर्ग की प्रोफेसर डॉ. ज्योति पिल्लई ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान दिया। तीसरे दिन टेकचेरी प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक तनुश्री गुहा एवं संस्थापक राजेश चतुर्वेदी ने विभिन्न एआई उपकरणों और उनके अनुप्रयोगों की जानकारी दी। चौथे दिन भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट के सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में एआई के हस्तक्षेप पर विचार रखे। इन्नोडीड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के लीड एआई एवं बैकएंड इंजीनियर रवि साहू ने सिस्टम डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी पर जानकारी दी। वहीं एफडीपी के सह-समन्वयक दीपक दास माणिकपुरी ने विभिन्न एआई टूल्स का हैड्स-ऑन प्रशिक्षण कराया।

टेक्नो पार्क भ्रमण से समझी तकनीक की कार्यप्रणाली

पांचवें दिन प्रतिभागियों को नेहरू नगर स्थित टेक्नो पार्क का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। एचआर श्रुति बजाज ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया। डॉ. भावना जैन ने रिवॉल्यूशनराइजिंग रिसर्च एआई पावर्ड सोल्यूशंस एंड इनसाइट्स विषय पर शोध में एआई की संभावनाओं पर चर्चा की। अंतिम दिन अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस. होता ने शिक्षण, अधिगम एवं शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर व्याख्यान दिया। इसके बाद प्रतिभागियों की मूल्यांकन परीक्षा हुई और उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

सिटी स्पोर्ट्स

राज्य स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में जारी है शानदार मुकाबले

रायपुर। न्यायधानी में सीनियर वर्ग के राज्य



स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वालीफाई मैच बुधवार से शुरू हुए। बिलासपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अरविंद गोयल एवं सचिव डॉ एम एल चंद्राकर ने बताया कि सीनियर स्टेट स्पर्धा में लगभग 150 बालक बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे है।

नेशनल तैराकी चैंपियन शिवांगिनी मिली उप मुख्यमंत्री साव से



रायपुर। 52 वीं जूनियर नेशनल तैराकी चैंपियनशिप की डबल मेडलिस्ट खिलाड़ी शिवांगिनी पांडेय ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव से सीजन्य पेंट की। इस दौरान उन्होंने इस महत्वपूर्ण स्पर्धा की जानकारी देते हुए साव से मार्गदर्शन हासिल किया। ज्ञात हो शिवांगिनी ने बटरफ्लाई के 50 मीटर में ब्रॉन्ज और 100 मीटर में सिल्वर मेडल हासिल किए हैं। भेंट के दौरान उप मुख्यमंत्री साव ने तैराक बेटी का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें मेडल पहनाकर सम्मान किया। उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि राज्य शासन प्रतिभावान खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। भेंट के दौरान खिलाड़ी की माता श्रीमती पांडेय और छत्तीसगढ़ तैराकी संघ के हेमंत परिहार उपस्थित थे।

शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ चौधरी को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के



शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर प्रो (डॉ) राजीव चौधरी को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूची में प्रो चौधरी का नाम देशभर से चयनित 21 उत्कृष्ट शिक्षकों/संकाय सदस्यों में शामिल किया गया है। आधिकारिक सूची में उन्हें शारीरिक शिक्षा एवं योग शिक्षा के क्षेत्र में चयनित किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान 5 सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया जाएगा।प्रो चौधरी उच्च शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, योग, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय अकादमिक एवं सामाजिक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने शिक्षण को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए अनुसंधान, नवाचार, योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता, खेल विकास, विद्यार्थी कल्याण तथा समाजोपयोगी गतिविधियों से जोड़ा है। उनकी शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों में अनेक शोध-पत्रों एवं पुस्तकों का प्रकाशन, शोधार्थियों का मार्गदर्शन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहभागिता तथा शारीरिक शिक्षा एवं योग के क्षेत्र में नवीन शोध एवं प्रयोग प्रमुख हैं।

राष्ट्रीय कमेंट्री वर्कशॉप में हिस्सा लिया सुशील और नागेंद्र ने



रायपुर। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से कमेंट्री वर्कशॉप 20 से 22 अगस्त तक भुवनेश्वर में आयोजित की गई। जिसमें देश भर से 27 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इनमें छत्तीसगढ़ से सुशील मिश्रा (संघ के अध्यक्ष जांजगीर चांपा जिला) और नागेंद्र सिंह (सचिव गौरेला पेंड्रा मरवाही) शामिल हुए। वर्कशॉप में दोनों प्रतिभागियों ने कमेंट्री एवं एंकरिंग की बारीकीयों को सीखा। यह जानकारी छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के प्रवक्ता हेमंत सिंह परिहार ने दी।

दिल की तकलीफ को हमेशा गंभीरता से लें

सिर्फ हार्ट अटैक तक सीमित नहीं है दिल से जुड़ी बीमारियां लक्षण एक जैसे हों तो भी दूसरी तकलीफ की आशंका ज्यादा

दिल में हो सकती हैं कई तरह की बीमारियां, जरूरी है आपको जानना कोरोना महामारी के बाद विश्वभर में हार्ट संबंधी बीमारियां तेजी से सामने आई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की डेटा की मानें तो 2020 में हृदय रोगों से दुनियाभर में 18।6 मिलियन लोगों की मौत हो गई, जो सभी मौतों का 32% है और यह आंकड़ा डराने वाला है।

इधर भारत में बीते दो सालों में अचानक हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। खासतौर पर कम उम्र के बच्चे और अधिकांश युवा हार्ट संबंधी बीमारी का शिकार हुए हैं और देखने में आया है कि उनकी मृत्यु तक इर्द्ध है। भारत में आम धारणा के अंतर्गत हार्ट संबंधी बीमारियों को केवल हार्ट अटैक या फिर कार्डियक अरेस्ट तक ही सीमित करके देखा जाता है लेकिन हार्ट संबंधी बीमारियां केवल हृदय की गति का रुक जाना ही नहीं होता बल्कि ऐसी कई दूसरी समस्याएं भी होती हैं जिनका सीधा संबंधी हार्ट की सेहत से होता है।

ऐसी बीमारियों में रोगी को लक्षण महसूस होते हैं लेकिन उन्हें पता ही नहीं चल पाता है कि उन्हें हार्ट संबंधी बीमारी है और जब तक रोगी इलाज के लिए पहुंचे हार्ट को बहुत क्षति पहुंच सकती है। दरअसल, हृदय रोग केवल



लाइफस्टाइल की ही नहीं बल्कि अन्य दूसरे पहलुओं से भी जुड़ी बीमारी है। बहरहाल, आइए जानते हैं हार्ट संबंधी ऐसी कौन सी बीमारियां हैं जिन पर सामान्य तौर हमारा ध्यान नहीं जाता और इसे हम केवल कॉलेस्ट्रॉल और लाइफस्टाइल से ही जोड़कर देखते हैं।

धमनियों में कॉलेस्ट्रॉल जमाव की बीमारी

इसे कोरोनरी आर्टरी डिस्जी यानी की सीएडी कहा जाता है। यह बीमारी तेल, कॉलेस्ट्रॉल युक्त चीजें और गलत खान-पान व खराब लाइफस्टाइल के चलते होती है। ये बीमारी धमनियों, जिन्हें कोरोनरी धमनियां कहा जाता है जो दिल की धड़कन के पंप को सही रूप से रक्त पहुंचाने का काम करती है, उसमें बैड कॉलेस्ट्रॉल जमा होने के कारण होती है। सामान्य तौर पर हार्ट अटैक का कारण यही होता है।



हार्ट फेलियर या दिल का काम करना बंद कर देना

इसे आसान शब्दों में हार्ट फेल्योर कहा जाता है। हार्ट फेल्योर एक बीमारी है जिसमें हार्ट का पंप फंक्शन पहले धीमे-धीमे कमजोर हो जाता है और बाद में बंद हो जाता है जिससे शरीर के जरूरी हिस्सों में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है इससे व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

एकतरफा मुकाबले में डेफोडिल्स व आरके शारदा ने जीते अपने मैच



रायपुर। 14वें शहीद वीके चौबे इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतर्गत अंडर-14 आयु वर्ग के मुकाबले माधव राव सप्रे स्कूल फुटबॉल ग्राउंड, बूढ़ापारा में हुए।दिनभर खेले गए मुकाबलों में विभिन्न स्कूलों की युवा टीमों ने शानदार खेल कोशल, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया। मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। आज अंडर-14 वर्ग में कुल पांच मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में डेफोडिल्स इंग्लिश स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरडी तिवारी को 5-0 से पराजित किया। डेफोडिल्स इंग्लिश स्कूल ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में विवेकानंद विद्यापीठ को वाकओवर के माध्यम से विजेता घोषित किया गया। इस जीत के साथ विवेकानंद विद्यापीठ ने प्रतियोगिता के अगले दौर में अपनी जगह सुनिश्चित की।

मंच प्रदान करने प्रतियोगिता

तीसरे मुकाबले में आरके शारदा व सेंट जोसेफ स्कूल के मध्य मुकाबला हुआ। इसमें आरके शारदा विद्या मंदिर ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सेंट जोसेफ को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। चौथे मुकाबले में आरके शारदा विद्याश्रम ने ज्ञान गंगा एजूकेशनल अकेडमी को शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 से पराजित किया। टीम ने पूरे मुकाबले में बेहतर तालमेल के साथ आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पांचवें

मुकाबले में ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल ने होलीक्रॉस को 2-0 से पराजित किया। शेरा क्रीड़ा समिति के सचिव मुस्ताक अली प्रधान ने कहा, स्कूली स्तर पर उभरती हुई फुटबॉल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

■ शहीद वीके चौबे इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट प्रारंभ

कार्नर न्यूज

हर माता-पिता को बड़ी सावधानी से करनी चाहिए बच्चों की परवरिश

बच्चे की परवरिश करते हुए न करें माता पिता ये गलतियां, भारी पड़ सकती है आपको एक भूल

होशियार है। इससे बच्चे के आत्मविश्वास में कमी आती है और वह हीन भावना से ग्रसित हो सकता है।

ज्यादा डांटना या मारना

हर छोटी बात पर डांटना या मारपीट करना बच्चे को डरपोक या विद्रोही बना सकता है। डर के कारण बच्चा अपनी बात खुलकर नहीं कह पाता।

मोबाइल या टीवी का उपयोग

जब बच्चा रोता या जिद करता है या उसे व्यस्त रखना होता है तो माता पिता बच्चे को टीवी या मोबाइल का उपयोग करने देते हैं। बच्चे को शांत करने के लिए बार-बार मोबाइल देना उसके विकास में बाधक बन सकता है। इससे उसका ध्यान कम लगता है और बातचीत की क्षमता भी प्रभावित होती है।

मावनाओं को नजरअंदाज करना

जब बच्चा उदास या परेशान हो, तो उसकी भावना को हल्के में लेना या दालना उसे अंदर से



माई को राखी बांधते समय जानें सही दिशा

इस साल रक्षाबंधन 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा । हर साल की तरह इस बार भी लोगों के मन में राखी से जुड़ी कई पारंपरिक और धार्मिक जिज्ञासाएं हैं, जैसे राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए, किस दिशा में मुंह करके राखी बांधनी चाहिए, और राखी का धागा कब खोलना चाहिए?

राखी बांधते समय किन बातों का रखें ध्यान

राखी बांधते समय भाई के सिर पर कोई स्माल या कपड़ा जरूर रखें, इसे शुभ माना जाता है। प्लास्टिक या टूटी हुई राखी शुभ नहीं मानी जाती। सोने, चांदी या किसी और धातु की राखी सीधे नहीं बांधनी चाहिए। राखी सूत या कपास के पवित्र धागे से बनी होनी चाहिए। चाहें तो पहले सूत की राखी बांधकर बाद में सजावटी राखी (सोने-चांदी वाली) बांध सकती हैं। राखी बांधने से पहले दिन और समय (मुहूर्त) जरूर देखें, खासकर यह ध्यान रखें कि भद्रा काल में राखी न बांधें, क्योंकि यह समय अशुभ माना जाता है। राखी बांधते समय भाई का दाहिना हाथ नीचे की ओर रखा होना चाहिए। राखी बंधवाने के बाद भाई को चाहिए कि वह अपनी बहन के



पैर छूकर उसका आशीर्वाद ले।

राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए

राखी बांधते समय तीन गांठें लगाना शुभ माना जाता है। ये तीन गांठें त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु और महेश को समर्पित होती हैं। हर गांठ के साथ बहन भाई के लिए स्वास्थ्य, सुख और लंबी उम्र की प्रार्थना करती है। तीन गांठें लगाने से भाई-बहन का रिश्ता और अधिक मजबूत होता है। यह परंपरा राखी के बंधन को धार्मिक और भावनात्मक दोनों रूपों में विशेष बनाती है।

किस दिशा में बैठकर बांधें राखी

सनातन धर्म में दिशा का विशेष महत्व बताया गया है। किसी भी पूजा-पाठ, अनुष्ठान या शुभ कार्य को करते समय दिशाओं का ध्यान रखना आवश्यक होता है, क्योंकि यह माना जाता है कि सही दिशा में बैठकर कार्य करने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। रक्षाबंधन के अवसर पर भी यह निर्देश दिए गए हैं कि राखी बांधते समय भाई का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

पूर्व दिशा को क्यों माना गया है शुभ?

पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है। सूर्य, जीवन शक्ति, नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इसी दिशा से दिन की शुरुआत होती है, जो विकास, उजाला और आशा का संकेत देती है। जब भाई पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठता है, तो वह सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करता है, और बहन द्वारा बांधी गई राखी के साथ उसकी रक्षा और कल्याण के संकल्प और भी शक्तिशाली बन जाते हैं। धार्मिक ग्रंथों में भी यह उल्लेख मिलता है कि पूर्व दिशा में मुख करके किया गया पूजन या कोई भी शुभ कार्य अधिक फलदायी होता है। राखी बांधते समय यी इस नियम का पालन करने से बहन द्वारा की गई प्रार्थना, रक्षा सूत्र की शक्ति और तिलक का प्रभाव अधिक प्रभावशाली होता है।



अकेला कर देता है। बच्चे के मनोभावों का समझें, न कि उसकी बातों को इग्नोर करें।

'ना' कहना

हर बात पर मना करना बच्चे में जिदपन और विद्रोह की भावना पैदा कर सकता है। जरूरी है कि माता-पिता समझदारी से 'हां' और 'ना' का संतुलन रखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

वॉर्ड्स में 'सेंटिमेंटल वैल्यू' ने लहराया परचम, लेखक और निर्देशक हुए खुश

फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' ने लगातार आठ अमांडा पुरस्कार जीते हैं। फिल्म के निर्देशक जो आ कि म ट्रायर और ले ख क एस्कल वोग्ट ने इस पर एक बातचीत के दौरान अपनी प्रतिक्रिया दी। जोआकिम ट्रायर की ऑस्कर विजेता फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' ने इस साल अमांडा पुरस्कारों में भी सबसे सफल फिल्म साबित हुई। फिल्म ने यहां कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए।



अमांडा पुरस्कारों में फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' के लिए निर्देशक जोआकिम ट्रायर को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला। इतना ही नहीं फिल्म की कहानी लिखने वाले एस्कल वोग्ट को फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार मिला है। इस बारे में वोग्ट ने वैरायटी से बातचीत के दौरान कहा, 'जब मैं अकेले लिखता हूं, तो मैं टालमटोल करता हूं। मगर जब मैं जोआकिम के लिखता हूं तो मुझे उसके साथ एक दिन बिताने मिल जाता है।' जोआकिम ट्रायर ने अपने जीवन में साथी एस्कल वोग्ट की अहमियत को लेकर बात की। उन्होंने फिल्म के दौरान वोग्ट के साथ बिताए वक्त के बारे में भी काफी कुछ कहा। ट्रायर बोलेएस्कल से मेरे माता-पिता के बाद मेरा सबसे लंबा रिश्ता है। हम दोनों को इसके बारे में बेवजह रोमांटिक होने की जरूरत नहीं है।हम एक दूसरे के प्रति ईमानदार रहना होगा, यही एक सच्चा उपहार है।फिल्म बनाने और रिलीज करने के दौरान बहुत कुछ होता है। हम दोनों उस सुरक्षित माहौल में वापस जाना और उस शांति को फिर से खोजना पसंद करते हैं। फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं।

टॉलीवुड

'इरुमुडी' देख बेबी नक्षत्रा के फैन हुए धनुष, बाल कलाकार को वीडियो कॉल करके की तारीफ

फिल्म 'इरुमुडी' दर्शकों के साथ-साथ अब सेलेब्स को भी काफी पसंद आ रही है। अ भि ने ता धनुष ने फिल्म देखने के बाद बेबी नक्षत्रा की जमकर तारीफ की है।



इसी बीच धनुष का एक वीडियो भी वायरल है। रवि तेजा की हालिया रिलीज फिल्म 'इरुमुडी' बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इसी बीच अभिनेता-निर्माता-निर्देशक धनुष ने फिल्म की चाइल्ड आर्टिस्ट बेबी नक्षत्रा के अभिनय की प्रशंसा की। धनुष ने हाल ही में फिल्म 'इरुमुडी' देखी। इसे देखकर वह फिल्म में रवि तेजा की बेटी का किरदार निभाने वाली नक्षत्रा की एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए। इसके बाद धनुष ने फिल्म ने निर्देशक शिवा निर्वान को कॉल किया और नक्षत्रा की काफी तारीफ की। इसके बाद शिवा ने धनुष और नक्षत्रा के बीच एक वीडियो काल अरेंज की। इस बातचीत के दौरान धनुष ने नक्षत्रा के माता-पिता से उनकी बेटी की प्रशंसा की। धनुष ने नक्षत्रा से कहा कि वह उनसे एक्टिंग सीखना चाहते हैं। अंत में धनुष ने नक्षत्रा को भविष्य के लिए दुआ दी। नक्षत्रा के इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किए गए इस वीडियो ने कुछ देर में ही फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। 'इरुमुडी' नक्षत्रा की पहली फिल्म नहीं है। वह साउथ सिनेमा की कई फिल्मों में काम चुकी हैं। 2024 में प्रभुदेवा अभिनीत तमिल फिल्म 'पेट्टा रेप' से उनहोंने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 2025 में मलयालम फिल्म 'एन्नुम स्वंधम पुण्यलन' में वह नजर आईं। हाल ही में वह पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ 'आई, नोबडी' में नजर आई थीं। नक्षत्रा ने डॉ. शिवराजकुमार अभिनीत कन्नड़ फिल्म 'डैड' की शूटिंग भी की है, जो फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है।

भोजपुरी

चीनी की बढ़ी कीमतों ने बिगाड़ा अक्षरा के घर का बजट, दिया मजेदार अंदाज में दिया रिएक्शन

चीनी के दामों में इजाफा हो गया है। त्योहार के सीजन में अ चा न क चीनी की बढ़ी कीमतों ने लोगों के घर का बजट बिगाड़ दिया है। आम लोग ही नहीं, सेलेब्स के यहां भी बजट की चिंता होने लगी है और मीठी चाय पीने से पहले सोच रहे हैं। बात हो रही है, भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह की। अक्षरा और उनकी मां नीलिमा ने चीनी के बढ़ते दामों पर चुटकी ली है। चीनी के बढ़ते दामों के चलते लग रहा है कि भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा के घर का बजट भी गड़बड़ हो गया है। उनकी मां नीलिमा सिंह का पोस्ट देखकर कुछ यही लग रहा है। नीलिमा सिंह भी चर्चित एक्ट्रेस हैं और छोटे पर्दे पर कई सीरियल में खूंखार सास की भूमिका में नजर आ चुकी हैं। नीलिमा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे चाय बनाती दिख रही हैं। इसके साथ नीलिमा ने कैप्शन लिखा है, 'चाय में चीनी डालू या बजट की चिंता घोल दूं?' अक्षरा सिंह ने भी चीनी के बढ़ते दामों पर चुटकी ली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है और अपनी कुछ मिरर फोटोज शेयर की हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'चीनी महंगी हो गई... अच्छा हुआ मिरर ने मिठास डबल कर दी।' बता दें कि अक्षरा सिंह क्लाइट और ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में वे नए हेयरस्टाइल को प्लॉन्ट कर रही हैं।



सीक्रेट गार्डन



लाइफ स्टाइल

पेरिस में खास 'वन-ऑफ-अ-काईड' कलेक्शन के नए पीसेज की पहली ऑफिशियल प्रेजेंटेशन की गई। इस प्रेजेंटेशन, में शानदार विंटेज फ्रैब्रिक और बेहतरीन प्रिंट्स का जलवा था। इस शो में फ्रैशन, डिजाइन और आर्ट की दुनिया के खास मेहमानों को दुनिया भर से बुलाया गया था। ब्रांड की हेड डिजाइनर रियाना कोन्नु ने एक बार फिर अपनी ग्रीक विरासत से प्रेरणा ली और 'मिस्टिकोस किपोस' (ग्रीक भाषा में 'सीक्रेट गार्डन' या 'गुप्त बगीचा') तैयार किया। यह एक ऐसा बगीचा है जो रंगों और दुनिया भर की शैलियों के मेल से बना है और इसे कल्पना के जरिए एक साथ लाया गया है।

मीनाकारी पायल के ये डिजाइंस बढ़ाएंगे आपके पैरों की शोभा

पैरों को आकर्षक लुक देने के लिए आपको कई तरह के डिजाइन में पायल आसानी से मिल जाएंगी। किसी भी डिजाइन को चुनने से पहले आप पैरों की शेप का ख्याल जरूर रखें। ज्वेलरी पहनना हम सभी काफी पसंद करते हैं और इनमें कई वैरायटी और डिजाइन आपको ऑनलाइन से लेकर ऑफ़लाइन मार्केट तक में आसानी से मिल जाएंगे। वहीं आजकल आर्टिफिशियल ज्वेलरी का क्रेज काफी बढ़ गया है और इसे कई तरीके से स्टाइल भी किया जा रहा है। पैरों की शोभा बढ़ाने के लिए मार्केट में पायल के कई डिजाइन मिल जाते हैं, लेकिन एक्सीन स्टाइल की बात करें तो मीनाकारी डिजाइन आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं मीनाकारी डिजाइन में पायल के नए डिजाइंस।

डोली डिजाइन पायल

पैरों की शोभा बढ़ाना चाहती हैं तो इस तरीके के हैवी डिजाइन की पायल को पैरों में पहन सकती हैं। इसमें आपको कई कलरफुल मीनाकारी डिजाइन में काफी पैटर्न आसानी से मिल जाएगा। इस तरह की पायल डिजाइन



आपको मार्केट में लगभग 250 रुपये से लेकर 450 रुपये में आसानी से मिल जाएगा। अगर आपके पैर चौड़े नहीं है तो इस तरीके के डिजाइन की पायल को आप अवॉयड ही करें।

डबल चैन डिजाइन पायल

अगर आप सिंपल डिजाइन की पायल नहीं पहनना चाहते हैं तो इस तरीके की डबल या ट्रिपल पायल डिजाइन को पैरों में पहन सकते हैं। इस तरह के डिजाइन में आपको कई मीनाकारी डिजाइन के पैटर्न आसानी से मिल जाएंगे। वहीं आर्टिफिशियल में आपको इस तरीके की पायल करीब 200 रुपये से लेकर 400 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

साड़ी के साथ बालों में लगाएंगी गजरा तो निगाहें नहीं हटेंगी उनकी



ट्रेडिशनल लुक में जान डालने के लिए लेटेस्ट डिजाइन के कपड़ों के साथ-साथ इनकी स्टाइलिंग भी सही तरीके से की जानी बेहद जरूरी होती है। स्टाइलिंग की बात करें तो इसमें सही हेयर स्टाइल चुनना और इन्हें स्टाइल करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का रोल अहम होता है। आजकल नक्ली से ज्यादा असल फूलों से बनी हेयर एक्सेसरीज को सबसे ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं गजरे को बालों में अलग-अलग तरह से स्टाइल करने के आसान तरीके। साथ ही, बताएंगे इन गजरों

को बालों में लगाने के आसान हैक्स-

जुड़े में कैसे लगाएं गजरा?

बालों में गजरे लगाना लगभग हम सभी पसंद करते हैं। सिंपल और बोरिंग जुड़े को आप इस तरह से गजरे से कवर करके फैसी और स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। बता दें कि गजरे के जाल से लेकर बाहरी तरफ से गोलाई में लगाकर भी गजरे से जुड़े को स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। स्लीक स्टाइल हेयर स्टाइल में यह एक्सेसरी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। आप चाहें तो डोनट लगाकर सिंपल बन के साथ में लपेट कर भी बन को पूरा कर सकती हैं।

फूलों को जुड़े में कैसे लगायें?

सिंपल गजरे के अलावा आप बालों में ताजे फूलों को अलग-अलग तरह से स्टाइल कर सकती हैं। इसके लिए आप छोटी कलियों वाले रंग-बिरंगे फूलों को जुड़े पर लगा सकती हैं। इसके लिए आप मोगरों के फूलों को अलग-अलग करके छोटे साइज के फूलों के साथ पिन लगाकर बालों में लगा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

चेहरे पर लाना है शीशे सा निखार तो आज ही से करें इन का इस्तेमाल

ब्यूटी प्रोडक्ट



बेसन

बेसन का इस्तेमाल चेहरे पर मौजूद टैनिंग को हटाने के लिए किया जाता है। खासकर यह ऑयली स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। ऐसा इसलिए

धोखा दे सकते हैं इसलिए जरूरी घरेलू उपाय पर भी दें ध्यान

क्योंकि बेसन चेहरे पर मौजूद पोर्स में जमे ऑयल को निकाल पोर्स को डीप क्लीन करने का काम करता है। वहीं इसमें आप कच्चा दूध और गुलाब जल मिलाकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल

गुलाब जल को चेहरे पर कई तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि यह एक नेचुरल टोनर का काम करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये चेहरे पर मौजूद पोर्स के अंदर जाकर सफाई कर उनका साइज मिनीमाइज करने में सहायता करता है। साथ ही ये त्वचा के पीएच लेवल को बरकरार रखने का काम भी करता है। इसके अलावा त्वचा पर मौजूद डार्क स्पॉट्स यानी काले धब्बे को कम करने के काम भी आता है।

राखी के त्योहार पर भाई ऐसे हों तैयार, देखकर बहनें उतारेंगी नजर

रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए लड़कियां काफी उत्साहित रहती हैं। इस बार 28 अगस्त को राखी का त्यौहार है और अब बस एक दिन का फासला है। बहनें इसके लिए पहले से ही अपने लिए काफी खरीदारी करती हैं। इसमें ट्रेंडी आउटफिट, ज्वेलरी और फुटवियर भी शामिल होते है। हर बहन चाहती है कि वह रक्षाबंधन के दिन सबसे खूबसूरत दिखें। इसकी वजह है कि



राखी का त्यौहार साल भर में एक बार आता है और यह हर भाई-बहन के लिए बेहद खास होता है। बहनें तो इस दिन खास दिखने के लिए तैयारी कर लेती है लेकिन भाईयों को समझ नहीं आता कि वह कैसे तैयार हों और कैसे कपड़े पहनें।

हर भाई चाहता है कि जब उसकी बहन उसकी कलाई पर राखी बांधे और यह पल जब कैमरे में कैद हो तो वह खुद भी अच्छा दिखे। ऐसे में भाईयों के लिए भी हैंडसम दिखना बेहद जरूरी होता है। इसी के चलते आपको कुछ ऐसे टिप्स जरूर जानना चाहिए, जिनको अपना कर आप भी रक्षाबंधन के दिन हैंडसम देख पाएंगे। अगर आप इन टिप्स को फॉलो करके तैयार होंगे और ट्रेंडी कपड़े पहनेंगे तो आपकी बहनें भी आपकी नजर उतारेंगी।

करें ग्रूमिंग: राखी के दिन तैयार होने के लिए सबसे पहले शेव करें और बालों को सही से सेट कर लें। ये आपके लुक को स्टाइलिश बनाने में मदद करेंगी।

फेस वॉश: राखी के लिए तैयार होने से पहले चेहरे को सही से साफ कर लें, ताकि त्वचा पर किसी तरह की गंदगी ना हो। इसके साथ ही अपने चेहरे को मॉइश्चराइज जरूर करें।



पहनें इस तरह का आउटफिट: राखी के त्योहार पर हैंडसम दिखने के लिए अगर आप चाहें इस तरह का लुक कैरी कर सकते हैं। धोती-कुर्ता के साथ ये जैकेट आपके लुक को पूरा करने में मदद करेंगी। पहन सकते हैं कुर्ता और पैट: अगर आप धोती कुर्ता पहनना नहीं चाहते तो इस तरह का कुर्ता और पैट कैरी करें। ये भी देखने में स्टाइलिश लगता है।

आंखों में रोजाना काजल लगाने के होते हैं नुकसान भी, जानना जरूरी

रोजाना काजल लगाने वाली महिलाओं को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि आप अच्छी गुणवत्ता वाले, नेचुरल और हाइपोएलर्जिक उत्पादों से बने काजल का इस्तेमाल कर रहीं हैं। ये थोड़े महंगे जरूर आएंगे, लेकिन इनसे आंखों को ज्यादा खतरा नहीं रहेगा। यदि आप ऐसा नहीं करेंगी तो आंखों को खतरा बना रहेगा। यहां आंखों में रोजाना काजल लगाने के पांच बड़े नुकसान बताए जा रहे हैं, जिनके बारे में हर किसी को पता होना चाहिए।

इंफेक्शन का खतरा

बाजार में मिलने वाले काजल का इस्तेमाल अगर आप कभी-कभार कर रहे हैं, तब तो ठीक है, लेकिन ज्यादा इस्तेमाल से इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। दरअसल, काजल में हानिकारक रसायन या बैक्टीरिया हो सकते हैं, जो आंखों में संक्रमण का कारण बन सकते हैं। ऐसे में अगर काजल इस्तेमाल कर भी रहे हैं, तो इसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखें। बहुत से लोगों को ये नहीं पता होता है कि काजल से आंखों में एलर्जी भी हो सकती है। दरअसल, बाजार में



मिलने वाले कई काजल में ऐसे रसायन तत्व होते हैं जो आंखों में एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इससे आंखों में सूजन, लालिमा और जलन हो सकती है। ऐसे में यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है तो काजल कि इस्तेमाल से बचें। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों की आंखें और भी ज्यादा संवेदनशील होती हैं। यदि आप नियमित रूप से काजल का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आंखों की नलियां बंद हो सकती हैं। जिसकी वजह से आंखों में सूजन, दर्द की समस्या का सामना आपको करना पड़ सकता है।